राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

माध्यमिक पाठ्यक्रम: गृहविज्ञान

पाठ 21 : दैनिक जीवन मे नैतिकता

कार्यपत्रक - 21

1. श्रम की गरिमा का अर्थ है कि व्यक्ति सभी कार्यों का समान रूप से सम्मान करता है और एक को दूसरे से श्रेष्ठ नहीं मानता। महात्मा गांधी इसमें बहुत विश्वास करते थे। उनके जीवन पर कुछ साहित्य पढ़ें और बताएं कि महात्मा गांधी ने अपने जीवन जीने के तरीके से श्रम की गरिमा को कैसे बढ़ावा दिया।

2. अपने माता-पिता, शिक्षकों और दोस्तों से प्राप्त सिद्धांतों को सूची बद्ध करें जो आपके सांस्कृतिक मूल्यों को दर्शाते हैं। ऐसे पांच सिद्धांतों के बारे में लिखें।

3. सामुदायिक संसाधनों के उपयोग से जुड़े अधिकारों के साथ- साथ कर्तव्य भी आवश्यक हैं। सार्वजनिक परिवहन में यात्रा करते समय हमें किन कर्तव्यों का पालन करना चाहिए?

4. कुछ नैतिक मूल्यों की सूची बनाएं, जिनका कार्य स्थल में पालन करना चाहिए। ये मूल्य कार्य स्थल पर सकारात्मक माहौल कैसे बनाए रखते हैं?

5. मानसिक या शारीरिक उत्पीड़न किशोरों द्वारा अनुभव की जाने वाली एक महत्वपूर्ण समस्या है। इसमें मौखिक या शारीरिक चोट, साथ ही सामाजिक अलगाव या बहिष्करण शामिल हो सकते हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए सुझाव दें। आप इस उत्पीड़न के शिकार व्यक्ति की मदद कैसे करेंगे?

6. पांच तरीके लिखें, जिनके माध्यम से आप अपने शिक्षकों और माता-पिता के प्रति सम्मान दिखा सकते हैं।

7. वाक्यांश का अर्थ स्पष्ट करें- स्वयं को किसी और की स्थिति में रखना । यह सहानुभूति और सहिष्णुता की अवधारणाओं से कैसे संबंधित है ?

8. सिद्धार्थ (गौतमबुद्ध), उनके भाई देवदत्त और हंस की प्रसिद्ध कहानी पढ़ें। इस कहानी से आपने कौन से नैतिक मूल्य सीखे हैं? आपकी राय में, क्या ये मूल्य आज के समय में भी प्रासंगिक हैं?

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

माध्यमिक पाठ्यक्रम: गृहविज्ञान

पाठ 21 : **दैनिक जीवन मे नैतिकता**

कार्यपत्रक - 21

9. आदर्शों की बातें करना तो बहुत आसान है पर उन पर चलना बहुत कठिन है।" क्या आप इस बात से सहमत हैं? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

10. सहानुभूति का मूल्य विकसित करने के लिए एक प्रभावी तरीका बनाएं (उदाहरण के लिए एक छोटी कहानी या कविता या गीत लिखें, या एक नाटक की स्क्रिप्ट बनाएं या एक कॉमिक स्ट्रिप बनाएं)।

11. यदि मूल्यों का पालन नहीं किया जाए तो हमारे समाज का क्या होगा? पांच उदाहरण देकर स्पष्ट करें।

12. हाल ही में अधिगम अशक्तता वाला एक छात्र आपके पाठ्यक्रम में शामिल हुआ है। आप पढ़ाई में उसकी मदद कैसे क रसकते हैं?

13. 2020 करोना की महामारी के दौरान, सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक स्तरों से संबंधित कई मुद्दों पर ध्यान दिया गया है, जिसने लोगों के जीवन पर विनाशकारी प्रभाव डाला है। इस संकट के बीच, डॉक्टरों, नर्सों, पुलिसकर्मियों, स्वच्छता कर्मचारियों और अन्य कार्यकर्ताओं ने कई बाधाओं से ऊपर उठकर दूसरों की मदद की है। उन्होंने मानवता की सेवा में अनुकरणीय योगदान दिया है। इस अवधि के कुछ ऐसे प्रसंग बताएं, जिन्होंने आपके दिल में आशा, आशावाद और सकारात्मक दृष्टिकोण की लौ को प्रज्वलित करी है।